कक्षा: IV
विषय:हिन्दी

दिनांक - 11.02.2026

पुनरावृति कार्यपत्रिका - 1

अपठित गद्यांश, अपठित पद्यांश

प्रश्न 1. दिए गए गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए:-

एक गुरु के अखाड़े में अस्त्र-शस्त्र की विद्या दी जाती थी। वहाँ दूर-दूर से नौजवान सीखने आते थे। उनमें से लक्ष्मण नाम का एक शिष्य गुरु का विशेष प्रिय था, क्योंकि तलवारबाज़ी में वह सबसे होशियार और फुरतीला था। शिक्षा प्राप्त करने के बाद उसने तलवारबाज़ी में काफी नाम कमाया, लेकिन उसके मन में एक ही दुख था कि इतनी शोहरत के बाद भी लोग उसे गुरु के शिष्य के रूप में जानते थे। सारा यश उसे नहीं, गुरु को मिलता था। एक बार उसने सोचा कि यदि वह गुरु को पराजित कर दे तो लोग गुरु को भूलकर उसे याद करने लगेंगे। एक दिन उसने गुरु जी से कहा, "गुरु जी, मैंने कुछ ऐसी विद्याएँ सीख ली हैं कि आप अचरज में पड़ जाएँगे। आपसे युद्ध करके मैं अपना कौशल आपको दिखाना चाहता हूँ।" गुरु समझ गए कि शिष्य अहंकार में अंधा हो गया है। उन्होंने कहा, "तुम चाहते हो तो ऐसा ही होगा। एक महीने बाद हम तुमसे युद्ध करेंगे।" कुछ दिनों बाद लक्ष्मण को पता चला कि गुरु जी आठ हाथ लंबी म्यान बनवा रहे हैं। यह सुनकर उसने भी आठ हाथ लंबी तलवार बनवा ली। निश्चित समय पर दोनों अखाड़े में पहुँचे। युद्ध का संकेत मिलते ही शिष्य ने अपनी आठ हाथ लंबी म्यान से लंबी तलवार निकालकर हमला किया। गुरु ने लंबी म्यान से छोटी तलवार निकालकर फुरती से उसके गले पर लगा दी। गुरु की छोटी तलवार देखकर शिष्य हैरान रह गया। वह अपने गुरु से पराजित हो चुका था। गुरु ने कहा, "तुमने सुनी-सुनाई बातों में आकर लंबी तलवार बनवा ली। तुम यह भूल गए कि छोटी तलवार से ही फुरती से हमला किया जा सकता है, लंबी तलवार से नहीं। अहंकार हमारे ज्ञान पर पानी फेर देता है।"

क) लक्ष्मण गुरु का प्रिय शिष्य क्यों था ?

ख) शिष्य के मन में दुख क्योंकि था ?

ग) गुरु क्या समझ गए?

घ) कुछ दिन बाद लक्ष्मण को क्या पता चला ?

ड) इस कहानी से आपको क्या सीख मिलती है ?

च) "एक महीने बाद हम तुमसे युद्ध करेंगे।" वाक्य में काल के भेद बताएँ।

प्रश्न 2. दिए गए पद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए:-

सुख-दुख मुस्काना नीरज से रहना,

वीरों की माता हूँ वीरों की बहना।

मैं वीर नारी हूँ साहस की बेटी,

मातृभूमि-रक्षा को वीर सजा देती।

आकुल अंतर की पीर राष्ट्र हेतु सहना,

वीरों की माता हूँ वीरों की बहना।

मात-भूमि जन्म-भूमि राष्ट्र-भूमि मेरी,

कोटि-कोटि वीर पूत द्वार-द्वार देरी।

जीवन-भर मुस्काए भारत का अँगना,

वीरों की माता हूँ वीरों की बहना।

क - सुख दुख में मुस्कुराते हुए कैसे रहना चाहिए?

i) नीरज ii) धीर iii) शीर iv) वीर

ख- आकुल अंतर की पीड़ा किसके लिए सहनी चाहिए?

ग- मातृभूमि जन्मभूमि..... मेरी। उपयुक्त शब्द खाली स्थान में भरिए

घ- भारत का अंगना कब तक मुस्कुराए

ङ - माता के लिए पर्यायवाची छांटिए- .....

च.'' मैं वीर नारी हूँ साहस की बेटी, मातृभूमि-रक्षा को वीर सजा देती।'' कविता कि पंक्ति का अर्थ बताओ -